• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •
वर्ष 23 | अंक 255 | पृष्ठ : 16+6
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
मंगलवार, 23 दिसंबर 2025
पौष शुक्ल-तृतीया
विक्रम संवत-2082

मुनाफा निवेशकों की खरीदारी से 638 अंक उछला सेंसेक्स, 4.11 लाख करोड़ बढ़ी पूंजी...कारोबार दिल्ली-एनसीआर

राजस्थान के नीमराणा की तर्ज पर बसेगी यीडा में जापानी सिटी

यीडा के अधिकारियों ने नीमराणा जापानी इंडस्ट्रियल पार्क में हुए विकास कार्य को देखा

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा/ लखनऊ। यमुना सिटी में प्रस्तावित जापानी सिटी का विकास राजस्थान के नीमराणा मॉडल पर किया जाएगा। सोमवार को सीईओ राकेश कुमार सिंह की अगुवाई में यीडा के एक प्रतिनिधिमंडल ने नीमराणा जापानी इंडस्ट्रियल पार्क में हुए विकास कार्य और जापानी निवेशकों को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को देखा।

यमुना सिटी में सेक्टर-4ए में भी एक जापानी सिटी अपने निवेशकों के लिए यीडा द्वारा प्रस्तावित है, जिससे जापानी निवेशकों को काम करने में सहजता रहे। सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि नीमराणा का यह जापानी इंडस्ट्रियल पार्क राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने विकसित किया है। नीमराणा में इस इंडस्ट्रियल पार्क को जापानी निवेशकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यहां कई प्रमुख कंपनियां निवेश कर चुकी हैं। इनकी सुविधा के लिए 1162 एकड़ में विकसित इस जोन में उद्योगों के अलावा आवासीय जरूरतों के लिए भी भूखंड विकसित किए गए हैं। इस दौरे में यहां किए गए सफल विकास और संचालन ढांचे का अध्ययन अधिकारियों ने किया है जिससे यमुना सिटी में यहां मौजूद तरीकों और प्रक्रिया को यमुना सिटी में भी लागू किया जा सके। नीमराणा जापानी जोन को कैसे विकसित किया गया? इसके बारे में रीको के अधिकारियों ने भी यीडा के प्रतिनिधिमंडल से जानकारी साझा की। उन्हें बताया गया कि यह राजस्थान में दूसरा जापानी इंडस्ट्रियल जोन है। पहला गिलोट में करीब 500 एकड़ में विकसित किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण निवेशकों के लिए पर्यावरण व अन्य एनओसी में शिथिलता के अलावा भूमि आवंटन में प्राथमिकता सुनिश्चित करना है। आवासीय भाग में प्रार्थना केंद्र के अलावा मनोरंजन और सामुदायिक उपयोग की सुविधाएं दी गई हैं। पांच सितारा होटल जैसी जरूरतें भी यहां नजदीक में विकसित हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा प्रबंधन को भी देखा गया

बैठक में सीईओ के साथ एसीईओ शैलेन्द्र कुमार भाटिया, रीको के डीजीएम संजय बगड़िया और कंसल्टेंट अर्न्स्ट एंड यंग के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सीईओ का कहना है कि जापानी इंडस्ट्रियल पार्क का निरीक्षण भी किया गया है। वहां इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा इसके प्रबंधन को भी देखा गया है। इससे यीडा में जापानी सिटी को विकसित करने में मदद मिलेगी। यमुना सिटी के साथ यूपी को भी वैश्विक स्तर पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने में मदद मिलेगी।

67 लाख रुपये से सेक्टर-146 हिंडन पुल पर बनेगी सड़क

नोएडा। सेक्टर-146 के सामने नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच बन रहे पुल पर सेतु निगम ने सड़क बिछाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंक्रीट से ऊपर तक पुल का स्ट्रक्चर बनने के बाद सड़क बननी है। यह काम सेतु निगम दूसरी एजेंसी से करवाएगा, जिसके चयन के लिए टेंडर जारी किया गया है। सड़क की दो परतें (बिटुमिन और मैस्टिक) बिछाने का काम चुनी जाने वाली एजेंसी करेगी।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की साझेदारी में हो रहा पुल का निर्माण

इसके बदले में निगम ने 67 लाख 57 हजार 460 रुपये के भुगतान का आकलन किया हुआ है। एजेंसियों से आवेदन 2 जनवरी तक मांगे गए हैं। पुल का निर्माण नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की साझेदारी में हो रहा है। 2019 में काम शुरू होने के समय करीब 64 करोड़ रुपये लागत अनुमानित थी। कुछ समय काम चलने के बाद 2020 में बंद हो गया था। कारण जमीन विवाद व अन्य भी रहे हैं। फिर 2021 के आखिर में दोबारा से काम शुरू हुआ था। यह पुल करीब 200 मीटर और 6 लेन का बनाया जा रहा है। प्राधिकरण इंजीनियरों के मुताबिक, सेतु निगम ने पुल का काम 72 प्रतिशत पूरा होने की जानकारी दी है और अप्रैल में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा हुआ है। पुल के दोनों तरफ की एप्रोच रोड नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपनी-अपनी तरफ बना रहे हैं। ब्यूरो